

छत्तीसगढ़ में नौनहिलों के लयि की जाएगी 'बालवाडी'की स्थापना

चरचा में क्यों?

11 फरवरी, 2022 को छत्तीसगढ़ के स्कूल शक्तिषा वभिग से मली जानकारी के अनुसार राज्य में नौनहिलों की शक्तिषा और शक्तिषा स्तर में सुधार के लयि नई शक्तिषा नीत के तहत 'बालवाडी'की स्थापना की जाएगी। इन बालवाडी केंद्रों में खेल आधारति गतविधियों के माध्यम से नौनहिलों के सीखने पर ज़ोर दिया जाएगा।

प्रमुख बदि

- उल्लेखनीय है की मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने पहले चरण में राज्य भर में छह हज़ार से अधिक बालवाडी केंद्रों की स्थापना की घोषणा हाल ही में गणतंत्र दविस के मौके पर की थी।
- प्रारंभिक बाल्यावस्था देखभाल के अंतरगत 5 से 6 वर्ष आयु के बच्चों के लयि ऐसे स्थानों पर प्ले स्कूल 'बालवाडी'की स्थापना की जाएगी, जहाँ आंगनवाडी और प्राथमिक शाला एक ही प्रांगण में हों।
- प्रथम चरण में ऐसी 6 हज़ार से अधिक बालवाडी प्रारंभ की जाएगी। राज्य में ऐसे केंद्रों की संख्या 6536 है, जहाँ प्राथमिक शालाएँ आंगनवाडी में ही स्थति हैं। प्रस्ताव के अनुसार शैक्षणिक सत्र 2022-23 से ही बालवाडी (बालवाटिका) का संचालन शुरू कर दिया जाएगा।
- बालवाडी में प्रवेश के लयि 5 से 6 वर्ष आयु के बच्चों की अनुमानति संख्या एक लाख 15 हज़ार है। इन बच्चों के लयि एससीईआरटी ने बालवाटिका गतविधि पुस्तिका भी तैयार कर ली है।
- गौरतलब है की छत्तीसगढ़ में मुख्यमंत्री भूपेश बघेल के नेतृत्व में राज्य सरकार ने नई पीढी के सुरक्षति भवषिय के लयि स्कूल शक्तिषा से उच्च शक्तिषा तक और रोज़गार से लेकर संस्कार वकिसति करने तक अनेक कदम उठाए हैं।
- प्रदेश के आर्थिक रूप से कमज़ोर वर्ग के बच्चों को भी भवषिय में बेहतर अवसर मुहैया कराने के लयि स्वामी आत्मानंद उत्कृष्ट अंगरेज़ी माध्यम शालाओं की स्थापना की गई है। राज्य में अभी 171 स्वामी आत्मानंद उत्कृष्ट अंगरेज़ी माध्यम शालाएँ संचालति की जा रही हैं, जनिमें 20 हज़ार से अधिक बच्चों को अंगरेज़ी माध्यम में शक्तिषा दी जा रही है। इसी तरह ऐसी हनिदी शालाओं की स्थापना भी प्रत्येक ज़िले में की जाएगी।